भारतीय समुदाय और भारत के मित्रों के स्वागत समारोह में भारत के राष्ट्रपति, श्री राम नाथ कोविन्द द्वारा संबोधन

हनोई, 19 नवंबर, 2018

1. मुझे आप सभी से मिलकर खुशी हो रही है। मुझे वियतनाम की राजकीय यात्रा पर आने का सम्मान प्राप्त हुआ है। मैं आपके द्वारा किये गए हार्दिक और स्नेहपूर्ण स्वागत के लिए आप सबको धन्यवाद देता हूं। मैं वियतनाम बौद्ध संघ के भिक्षुओं और भिक्षुणियों के प्रति गहन सराहना और सम्मान व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अपने परंपरागत ड्रम समारोह से मेरा स्वागत किया।

2. भारत-वियतनाम मैत्री प्राचीन समय से चली आ रही है। हमारे संबंध बहुत ही प्रगाढ़ और मैत्रीपूर्ण रहे हैं। सर्वाधिक कठिन परिस्थितियों के दौरान हमारे लोग एक दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। हम दोनों देशों के ही निर्माताओं - महात्मा गांधी और हो ची मिन्ह ने हमें साझा रास्ता दिखाया है । मैं यहां उन गहन संबंधों को बेहतर बनाने आया हूं। मैं कल राष्ट्रपति फु त्रुंग के साथ अपनी औपचारिक भेंट के प्रति उत्साहित हूँ। मुझे वियतनामी नेशनल असेंबली को संबोधित करने का गौरव भी प्राप्त होगा। यह विशेष सम्मान दिए जाने के लिए मैं वियतनाम सरकार का आभारी हूं।

3. हमारे दोनों देशों के बीच मैत्री को बढ़ावा देने के लिए बौद्ध संघ बहुत ही महत्वपूर्ण काम कर रहा है। उनके माध्यम से हमने भगवान बुद्ध की करुणा, दया और आशीर्वाद के साथ अपने संबंध मजबूत किए हैं। बौद्ध भिक्षु पुराने समय में भी हमारे संबंधों को बढ़ावा देने में इतने ही सक्रिय थे जितने कि आज हैं। भिक्षुगण और व्यापारी भारतीय संस्कृति, दर्शन और धर्म को वियतनाम तक लेकर आए। उसके बाद बौद्ध धर्म, हिंदू धर्म, ब्राह्मी लिपि और संस्कृत भाषा ने इस देश में अपनी जड़ें जमा लीं। आज मुझे विश्व प्रसिद्ध चाम मंदिर परिसर जाने और इस प्राचीन भूमि तथा इसके गौरवमय लोगों पर

इन सांस्कृतिक विनियमों की गहरी झलक देखने का सुअवसर प्राप्त हुआ। अपने पुराने संबंधों के प्रति सम्मान के रूप में मैंने वहां पर, हमारी साझा आध्यात्मिक यात्रा के प्रतीक के रूप में एक बरगद का पौधा लगाया है।

देवियो और सज्जनो

4. एक मित्र और साझेदार के तौर पर, हम वियतनाम की शानदार उपलब्धियों से बहुत गौरवान्वित होते हैं। पिछले वर्षों में, इस देश ने सामाजिक आर्थिक क्षेत्र में बहुत प्रगति की है। इसके नेतृत्व के विज़न और दूरदर्शिता के परिणाम-स्वरूप प्राप्त उच्च स्तर के निरंतर आर्थिक विकास से त्वरित प्रगति और खुशहाली आई है। इस देश में प्रति व्यक्ति जीडीपी 1990 के 100 यूएस डॉलर से भी कम के स्तर से बढ़कर आज 2500 यूएस डॉलर हो गई है जिससे आम नागरिक के जीवन में भारी बदलाव आया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के पीछे कृषि क्षेत्र में हुई तरक्की की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विकास के साझेदार के तौर पर हम गौरवान्वित महसूस करते हैं कि हमने भी वियतनाम की कृषि क्रांति और खाद्य सुरक्षा में सहयोग करते हुए आज वियतनाम उभरते हुए बाजारों में एक चमकता सितारा है और वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। भारत की तरह, यहां की जनसंख्या में युवाओं की प्रमुख भागीदारी है और हमारी ही तरह अपने युवा लोगों की महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का भरपूर प्रयास कर रहा है।

देवियो और सज्जनो

5. भारत और वियतनाम वर्षों से सांस्कृतिक यात्रा में साथ-साथ चलते रहे हैं और अब हम दोनों एक ही परिवर्तनशील आर्थिक पथ पर साथ-साथ चल रहे हैं। पिछली तिमाही में 8.2% की विकास दर के साथ, आज भारत विश्व में सर्वाधिक तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। ज्ञान और नवाचार संचालित हमारे उद्योगों ने पूरे विश्व में अपने लिए एक मुकाम बनाया है। हम 2025 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और उपभोक्ता बाजार में तीसरी सबसे बड़ी

शक्ति बनने की ओर मजबूती से अग्रसर हैं। वियतनाम की प्रगति और उन्नति भी बहुत प्रभावशाली है।

6. हमने वस्तु और सेवा कर की व्यवस्था लागू करने सहित कई निर्णायक आर्थिक सुधार किए हैं जिससे भारत को "एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार" बनाने का हमारा पुराना सपना पूरा हुआ है। हमारे नीतिगत उपायों से पिछले 4 वर्षों में विश्व बैंक के व्यापार सुगमता सूचकांक में हमने 65 स्थानों की छलांग लगाई है और जहां हम आर्थिक तरक्की के मार्ग पर चल रहे हैं, वहीं हम अपनी सामाजिक समरसता के लक्ष्य के प्रति भी समान रूप से सजग हैं। महिला सशक्तिकरण हमारे समस्त सामाजिक आर्थिक कार्यक्रमों के केन्द्र में रहा है, चाहे वह मुद्रा हो- अर्थात् हमारी सूक्ष्म स्तर ऋण योजना हो या 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना, अर्थात् बालिकाओं को सुरक्षित रखने और उन्हें शिक्षित करने की योजना हो।

7. सितंबर 2016 में हमारे प्रधानमंत्री की वियतनाम यात्रा के दौरान, हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक भागीदारी के स्तर पर ले जाने का निर्णय लिया था। रक्षा अभिनिर्धारण, उद्योग, हाइड्रोकार्बन, ऊर्जा, कृषि, फार्मास्यूटिकल और स्वास्थ्यचर्या का सहयोग बढ़ाने के लिए किया गया था । हमारी सोच ठोस परिणाम के रूप में सामने आई है। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि आज भारत वियतनाम के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है और हमने अपने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों में बड़ी छलांग लगाई है।

देवियो और सज्जनो,

8. वियतनाम में भारतीय समुदाय कम संख्या में है। किंतु स्थानीय अर्थव्यवस्था और समाज के लिए अवसर उत्पन्न करने तथा हमारे द्विपक्षीय संबंधों को प्रोत्साहित करने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वियतनाम में भारतीय समुदाय ने अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं। कठिन परिश्रम और समर्पण के माध्यम से आपने अपने लिए नाम और हमारे लिए सम्मान

अर्जित किया है। हमारे आईटी पेशेवर और प्रौद्योगिकी उद्यमी इस देश में डिजिटल पाथ-वे निर्मित करने में सहायता कर रहे हैं। इस देश के साथ हमारा प्राचीन जुड़ाव और आधुनिक संबंधों के कारण आपके वियतनामी मित्रों की आपसे अपेक्षाएं बहुत अधिक बढ़ जाती हैं। लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि चाहे वह कला हो, संस्कृति हो या हमारा पारिवारिक शिष्टाचार हो आपने वियतनाम में भारत का नाम ऊँचा करने में सम्मानजनक रूप से सफलता पायी है। मुझे बताया गया है कि वियतनाम में योग बहुत प्रसिद्ध है और यह दोनों समाजों को मजबूती से जोड़ने वाला तत्व है। हम दोनों की समान संवेदनाओं के कारण भारतीय टेलीविजन धारावाहिकों और फिल्मों के लिए यहां विशाल दर्शक समूह और प्रशंसक बने हैं।

9. भारत बदलाव की राह पर चल रहा है। शांति, खुशहाली और विकास की हमारी मुहिम में, विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिक और प्रवासी भारतीय समुदाय हमारे साथ, समान साझेदारों के रूप में काम कर रहे हैं। आपके लिए भारत के साथ जुड़ने, साझेदारी करने और साथ-साथ तरक्की करने के नए अवसर और संभावनाएं खुल रही हैं। मैं ज्ञान साझेदारों के तौर पर, निवेशक के तौर पर और सांस्कृतिक राजदूत के तौर पर आपको इस यात्रा के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता हूं।

देवियो और सज्जनो,

10. हमारी सरकार ने विदेश में हमारे समुदाय तक पहुंच बनाने को प्राथमिकता दी है तथा आज हमारे और विदेश में रह रहे भारतीयों के बीच नूतन और जीवंत संबंध बने हुए हैं। उन्हें बेहतर रूप से आगे बढ़ाने के लिए हमने अपने दूतावासों को चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाया है ताकि हर जरूरतमंद को सहायता मिल सके। हम सोशल मीडिया मंच का और मदद जैसे डिजिटल कार्यक्रमों का उपयोग प्रभावी सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने में कर रहे हैं। हम यमन से लेकर वेनेजुएला तक, हिंसा प्रभावित,

संकटग्रस्त या प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित सभी जरूरतमंदों तक पहुंचे हैं। और केवल भारतीयों तक ही नहीं बल्कि 50 अन्य देशों के लोगों को भी हमने सहायता पहुंचाई है।

11. अगले वर्ष 21 से 23 जनवरी तक हम वाराणसी में प्रवासी भारतीय दिवस मनाएंगे। मैं हमारे प्रवासी भारतीयों के इस विशेष उत्सव पर आप सभी को आमंत्रित करता हूं। हमने इस वर्ष महात्मा गांधी की 150वीं जयंती समारोह आरंभ किए हैं। मैं आशा करता हूं कि आप आगे बढ़कर इस देश में उनके जीवन और उनकी विरासत को प्रचारित-प्रसारित करेंगे।

12. मैं आपको यह निमंत्रण भी देता हूं कि आप जब कभी भारत आएं, तो राष्ट्रपति भवन भी आएं। यह मेरा आधिकारिक निवास हो सकता है, लेकिन यह हम सभी भारतीयों के लिए एक गौरवशाली स्थान भी है, और यह जितना मेरा है उतना ही आप सब का भी है।

देवियो और सज्जनो,

13. मैं इस देश में भारत के बारे में बेहतर समझ बनाने में 'वियतनाम इंडिया फ्रेंडशिप एसोसिएशन', 'वियतनाम यूनियन ऑफ़ फ्रेंडशिप एसोसिएशन' और विश्वविद्यालयों के भारत अध्ययन विभागों के प्रयासों की सराहना करता हूं। मैं भारतीय समुदाय को सक्रिय भूमिका में लाने के लिए 'वियतनाम इंडियन बिजनेस चैंबर' को भी धन्यवाद देता हूं। इससे भी बढ़कर, मैं इस देश में रह रहे सभी भारतीयों के लिए दोस्ती भरा हाथ आगे बढ़ाने के लिए हमारे वियतनामी दोस्तों को धन्यवाद देता हूं।

देवियो और सज्जनो,

14. भारत और वियतनाम के सामने समान अवसर और चुनौतियां मौजूद हैं। हमें इस कार्य के लिए एक दूसरे की तरक्की और खुशहाली में गर्व से और सायास सहायता करनी चाहिए। कामना है कि मेकॉन्ग और गंगा का समय सिद्ध चिन्तन और प्रज्ञा इस राह पर हमारा मार्गदर्शन करें।

धन्यवाद